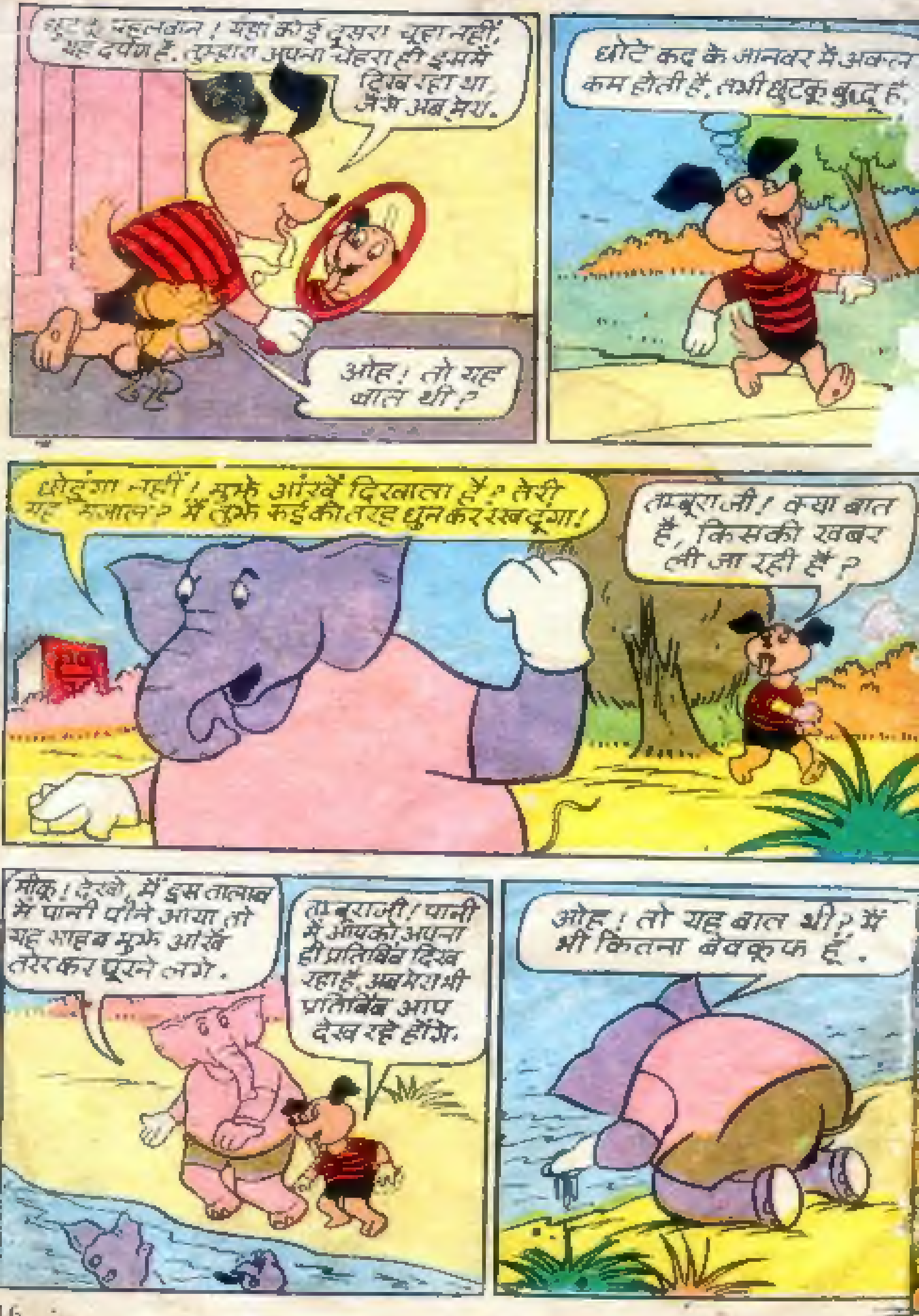

मीकू
प्राण
मैं तुम्हें मार डालूंगा! आखिर तुमने मुझे समझा क्या है? मैं घुटकू पहलवान हूं. बड़ों बड़ों को जमीन चटा चुका हूं!
तुमने अभी मेरा गुस्सा नहीं देखा...
?
घुटकू पहलवान! क्या बात है? आज बड़ा गरज रहे हो?
देखो न, पता नहीं यह चूहा कहां से आ गया है? तरह-तरह के मुंह बना कर मुझे चिढ़ा रहा है.
M.33


झूठे हो पहलवान! यहाँ कोई दूसरा चूहा नहीं, यह दर्पण है. तुम्हारा अपना चेहरा ही इसमें दिख रहा था जैसे अब मेरा.
ओह! तो यह बात थी?
छोटे कद के जानवर में अक्ल कम होती है, तभी छुटकू बुद्धू है.
छोड़ूंगा नहीं! मुझे आंखें दिखलाता है? तेरी यह मजाल? मैं तुझे रुई की तरह धुन कर रख दूंगा!
तम्बूरा जी! क्या बात है, किसकी खबर ली जा रही है?
मीकू! देखो, मैं इस तालाब में पानी पीने आया तो यह साहब मुझे आंखें तरेर कर घूरने लगे.
तम्बूरा जी! पानी में आपको अपना ही प्रतिबिंब दिख रहा है, अब मेरा भी प्रतिबिंब आप देख रहे होंगे.
ओह! तो यह बात थी? मैं भी कितना बेवकूफ हूं.


मोटे आदमियों की बुद्धि भी मोटी होती हैं.
अब खामोश क्यों हो? जवाब क्यों नहीं देते?
देखो... अब तक तो मैं ही इस इलाके में अकेला जिराफ था, अब मेरा प्रतिद्वंद्वी भी आ गया. मैं कुछ भी बोलूं, मुस्कराता रहता है, जवाब नहीं देता!
कहाँ है वह?
यह रहा.
जिम्मी! यह जिराफ नहीं, जिराफ की एक तस्वीर है, यह बेजान चीज है, घबराने की जरूरत नहीं.


अब यह सिद्ध हो गया कि लम्बे जानवर भी बेवकूफ होते हैं.
तुम्हारी यह हिम्मत! मुझसे टकराता है?
जैसे पहले तीन कम अक्ल थे, यह चौथा भी कोई वैसा ही लगता है
अरे, माजरा क्या है?
यह दूसरा शेर मुझसे झगड़ा कर रहा है
हो, हो! यह दूसरा नहीं, तुम्हारा अपना ही प्रतिबिंब होगा.
!!
नहीं! मैं कहता हूं कि सीकू को मैं खाऊंगा, यह कहता है कि यह खाए
बाप रे! इस बार मैं खुद ही बेवकूफ बन गया. वे दोनों तो सचमुच के शेर हैं!